तीन चीज

सतीश कुमार कश्यप
वित्त अनुभाग, राजसं ।

तीन चीज किसी की प्रतीक्षा नहीं करती	-	समय, मृत्यु, ग्राहक
तीन चीज सदा याद रखनी चाहिए	-	सच्चाई, कर्तव्य , मृत्यु
तीन चीज जो जीवन में एक बार मिलती हैं	-	माँ, बाप, जवानी
तीन चीज भाई को दुश्मन बनाती है	-	जर, जोरू, जमीन
तीन चीज जिन्हें कोई चुरा नहीं सकता	-	बुद्धि, चरित्र, हुनर

***

- अपने विचारों पर ध्यान दीजिए, ये आपके कर्म बन जाते हैं ।
- मनुष्य का जन्म तो सहज होता है, पर मनुष्यता उसे कठिनाई से प्राप्त करनी पड़ती है।
- माँ के समान पूजनीय विभूति संसार में दूसरी नहीं होती ।
- वृद्ध व्यक्ति दया का नहीं, सम्मान का पात्र है ।
- पहला सुख निरोगी काया, दूसरा सुख घर में माया
- तीसरा सुख सुलक्षण पत्नी, चौथा सुख पुत्र आज्ञाकारी ।

***

पुस्तकालय
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की

भ्रष्ट व्यक्ति

संदीप कुमार, बी.काम, द्वितीय वर्ष
सी.टी. पब्लिक डिग्री कॉलेज, रूड़की।

एक भ्रष्ट और बेईमान व्यक्ति मरा
सीधा नरक में जाकर गिरा।
ना तो उसे कोई दुःख हुआ,
न ही वह घबराया।
वाह-वाह क्या व्यवस्था है ? क्या सुविधा है?
क्या शान है ? नरक के निर्माता तू कितना महान है?
आँखों में क्रोध लिये यमराज प्रकट हुए,
बोले हे मूर्ख ! रिश्वतखोर, बेईमान, भ्रष्टाचारी
क्या तेरे लिए दुःख पीड़ा और कष्टकारी दलदल भी स्वर्ग समान है ?
क्यों तुझे यह शानदार नजर आ रहा है ?
भ्रष्ट व्यक्ति ने कहा, क्षमा करें यमराज !
आप शायद नहीं जानते कि जिस लोक से मैं आया हूँ
वहाँ भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी और दुःख पीड़ा का बाजार है,
यमराज बोले फिर तो तू इसी नरक का हकदार है ।

*****